

भ

देवनागरी वर्णमाला में प वर्ग का चौथा वर्ण जिसका उच्चारण स्थान ओष्ठ होता है।

**भंकार** पुं. (तत्.) विकट शब्द, भीषण शब्द, घोर शब्द भनभनाहट।

**भंग** पुं. (तत्.) 1. टूटने का भाव, अलहदगी, पृथक्ता 2. अंश, हिस्सा 3. अधःपात, विनाश 4. भगदड़ 5. पराजय, असफलता 6. अस्वीकृति 7. बाधा, भय, रुकावट, प्रतिबंध, उल्लंघन, स्थगन 8. भाग जाने की क्रिया 9. फेर, मोड़ 10. लहर, तरंग 11. सिकुड़न 12. झुकाव, गमन 13. लकवे का रोग 14. छल, कुटिलता, नहर 15. घुमाघुमा कर करना, पटसन 16. पटसन, पटुआ स्त्री (तत्.) एक पौधा जिसकी पत्तियाँ नशीली होती हैं, भाँग, विजया।

**भंगराज** पुं. (देश.) 1. भँगरा 2. सुरीली और मधुरवाणी वाली एक चिड़िया, भीमराज।

**भंगारि** स्त्री. (देश.) 1. भँगार, भंकारी 2. एक बहुत छोटा कीड़ा, भुनगा, गाय, बैल आदि चौपायों को काटने वाला एक मोटा मच्छर, डाँस।

**भंगि** स्त्री. (तत्.) 1. भंग होने की अवस्था, भाव, टेढ़ापन, कुटिलता 2. लहर, विच्छेद 3. ढंग, वेश-विन्यास, बात को सीधे न कहकर कहने का ढंग, वक्रता 4. बहाना 5. छल 6. व्यंग्य, विन्यास 7. पग, कदम 8. तरंग, लहर 9. वह कलापूर्ण शारीरिक मुद्रा जिससे मन का कोई भाव व्यक्त हो, भंगिमा, अदा।

**भंगिमा** स्त्री. (तत्.) 1. वक्रता, कुटिलता, टेढ़ापन 2. स्त्रियों का हाव-भाव, अंदाज, अंग-निवेश 3. लहर 4. प्रतिकृति।

**भंगी** वि. (तद्.) 1. भंग, नष्ट हो जाने वाला 2. भंग करने वाला, भंजक, तोड़ने वाला पु. (देश.)

मैला, कूड़ा-करकट की सफाई करने वाला, इस वर्ग का कोई व्यक्ति, सफाई कर्मी, जमादार।

**भंगुर** वि. (तद्.) नाशवान, भंग होने वाला, बहुत दिन न टिकने वाला।

**भंजक** वि. (तत्.) भंग करने वाला, तोड़ने वाला, नाश करने वाला, विध्वंसक।

**भंजन** पुं. (तत्.) 1. भंग करना, खंडन, तोड़ना, ध्वंस करना, बिगाड़ना, नाश करना 2. दंतक्षय।

**भंजन प्रभाव** पुं. (तत्.) टूट-फूट का प्रभाव, ध्वंस का असर।

**भंजना** अ.क्रि. (देश.) 1. भंजन करना, तोड़ना 2. भँजाया जाना 3. भाँजा जाना, बटा जाना 4. नष्ट करना।

**भंटा** पुं. (देश.) बँगन।

**भंडा** पुं. (तद्.) 1. भाँडा, पात्र, बरतन 2. रहस्य, भेद।

**भंडार** पुं. (तत्.) 1. ढेर 2. कोषागार, खजाना, राशि 3. वह स्थान जहाँ अन्न या अन्य विभिन्न वस्तुओं का संग्रह हो, मालगोदाम, कोठार 4. पाकशाला 5. पेट, उदर 6. अग्नि कोण।

**भंडारण क्षमता** स्त्री. (तत्.) किसी पात्र या स्थान आदि की अधिकतम संग्रह की सीमा या धारिता।

**भंडारा** पुं. (देश.) 1. भक्तों, संतों, साधुओं का सार्वजनिक भोज 2. पेट 3. भंडार 4. समूह।

**भंडारी** पुं. (देश.) 1. भंडार का प्रबंधक या अध्यक्ष तोशाखाने का दरोगा 2. रसोइया 3. खजांची, कोषाध्यक्ष 4. छोटी अल्मारी या कोठरी 5. कोष, खजाना।

**भँगरा** पुं. (देश.) एक बूटी, भँगरैया, भाँगरा नामक झाड़ या झाड़ी, भाँग के रेशों का बना कपड़ा।

**भँगार** स्त्री. (देश.) कूड़ा-करकट, कतवार, घास-फूस।

**भँगोड़ी** वि. (देश.) भाँग पीने का आदी, बहुत भाँग पीने वाला, भंगड़।

**भँभीरी** स्त्री. (देश.) 1. जुलाहा 2. एक तरह का परदार कीड़ा जो दीपक या प्रकाश की ओर आकर्षित होता है, झींगुर, पतंगा, परवाना।